पाठ्यक्रम रूपरेखा : (जुलाई –दिसम्बर 2021)

पाठ्यक्रम : बी. ए. हिंदी (ऑनर्स)

सत्र : III

पेपर : हिंदी कविता : आधुनिक काल :छायावाद तक

शिक्षक : डॉ. अनीता

कक्षा (प्रति सप्ताह) : 5

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : मैथिलीशरण गुप्त,यशोधरा (चुने हुए अंश)

- सिद्धार्थ
- महाभिनिष्क्रमण
- सखी वे मुझसे कह कर जाते...,5,6,7,8,9
- अब कठोर हो वज्रदापी....7,8,9,10,11,12,13,14
- मनिनी मान तजो
- दिन न हो गोपे

इकाई 2: जयशंकर प्रसाद

उठ उठ री लघु,मधुप गुनगुना कर,तुम्हारी आंखों का बचपन,अरे कहीं देखा है तुमने,

अरी वरुणा की शांत कछार,ले चल मुझे भुलावा देकर,अशोक की चिंता

इकाई 3: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

संध्या सुंदरी, बादल राग:६, वह तोड़ती पत्थर, खेत जोत कर घर आए हैं, बांधो न नाव, स्नेह निर्झर,वर दे, मै अकेला,दुरित दूर करो नाथ

इकाई 4: रामधारी सिंह दिनकर- रश्मिरथी : तीसरे सर्ग से कृष्ण-कर्ण संवाद

इकाई 5 : सुभद्रा कुमारी चौहान

ठुकरा दो या प्यार करो,वीरों का कैसा हो वसन्त,मुरझाया फूल,मेरे पथिक,झांसी की रानी की समाधि पर,अनोखा दान

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक हिंदी कविता के विकास को सशक्त ढंग से प्रस्तुत करना है |रीतिकाल के बाद की हिंदी कविता किस तरह कल्पना और रोमांटिकता से निकल कर अनुभव से निर्मित होती है और उसमे दरबारी प्रवृति के बदले गतिशील यथार्थ की वैचारिकता का कैसे समावेश होता है जो यह समझने की चीज है| हमें यह भी ध्यान देना होगा की कविता अपने युग बोध को विषय वस्तु और भाषा के स्तर पर सही दिशा देती हुई दिखती है या नहीं| कविता की रचना प्रक्रिया परंपरागत शास्त्र सम्मत के बरक्स जिस वैचारिकता और विचारधारात्मक उद्देश्यों को लेकर चलती है वह आज़ादी के पूर्व की भारतीय परिस्थितिओं और उसके वैश्विक परिदृश्य को आत्मसात कर पा रही है या उसका रास्ता उससे अलग है, यह सब देखना अपने आप में चुनौतिपूर्ण होगा|

शिक्षण समय : 16 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सप्ताह में 5 दिन कॉलेज के समय सारणी के अनुसार कक्षाएं आयोजित की जाएगी| विद्यार्थियों को विषय से सम्बंधित मूल और प्रमाणिक सहायक ग्रंथों की जानकारी देने के साथ-साथ विषय से सम्बंधित भारतीय चिंतन की रचनाओं को भी समझने की लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा |

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :

सप्ताह	**विषय**
सप्ताह 1	आधुनिकता,नवजागरण और आधुनिक हिंदी कविता : पृष्ठभूमि

सप्ताह 2	मैथिलीशरण गुप्त की काव्य – संवेदना और यशोधरा की व्याख्या
सप्ताह 3	मैथिलीशरण गुप्त की काव्य – संवेदना और यशोधरा की व्याख्या
सप्ताह 4	मैथिलीशरण गुप्त की काव्य – संवेदना और यशोधरा की व्याख्या
सप्ताह 5	छायावाद और जयशंकर प्रसाद
सप्ताह 6	जयशंकर प्रसाद और उनकी कविताओं का विश्लेषण
सप्ताह 7	जयशंकर प्रसाद और उनकी कविताओं का विश्लेषण
सप्ताह 8	प्रगतिशीलता और निराला का काव्य
सप्ताह 9	निराला की कविताओं का विश्लेषण
सप्ताह 10	निराला की कविताओं का विश्लेषण
सप्ताह 11	रामधारी सिंह सांस्कृतिक काव्यधारा और रश्मिरथी
सप्ताह 12	रश्मिरथी का विश्लेषण
सप्ताह 13	सुभद्रा कुमारी चौहान और हिंदी कविता का बदलता स्वर
सप्ताह 14	सुभद्रा कुमारी चौहान की कविओं का विश्लेषण
सप्ताह 15	पुनरावृति एवं छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा मुख्य परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन
सप्ताह 16	पुनरावृति एवं छात्रों द्वारा जमा किए गए असाइंमेंट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर चर्चा तथा

	परीक्षा के लिए उपयोगी सुझावों एवं मार्गदर्शन

सम्बंधित पुस्तकें :

- आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह
- छायावाद – नामवर सिंह
- आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान – केदारनाथ सिंह
- जयशंकर प्रसाद-नंद्दुलारे वाजपेयी
- मैथिलीशरण गुप्त- पुनर्मूल्यांकन- नगेन्द्र
- युगचारण दिनकर- सावित्री सिंहा
- निराला की साहित्य साधना: रामविलास शर्मा

नोट – प्रत्येक यूनिट में से एक असाइनमेंट प्रत्येक छात्र से लिया जाएगा और उस पर चर्चा के बाद दो असाइनमेंट का नंबर आंतरिक मूल्याङ्कन के लिये लगाया जाएगा |